हरमीत क्वाटरा

इस ग्रिड में "ज" से शुरू वाले होने कई सारे शब्द हैं। तुम्हें उन्हें खोजकर उन पर गोला लगाना है।

शब्दपहेली

जाँ	च	ण	ज	हा	ज	प	जो
जी	ष	ठ	म	ढ	य	ख	श
व	ढ	ज	ख	घ	ण	जि	द
ठ	जा	न	त्र	जै	फ	न	स
जो	त	म	घ	सा	त्र	ढ	ठ
र	जो	जु	ट	जी	त	ख	जे
ष	ज	ग	फ	भ	ढ	ज	ब
जो	ड़	ख	जू	ता	जा	ल	ष

शीशा ही तो है फोड़ा

राजकुमारी

हैं अनमने से बैठे
सब हैं तने से बैठे
मैं किसके पास जाऊँ
मुँह फेरे, सब हैं ऐंठे

ऐसा क्या कर दिया है
शीशा ही तो है फोड़ा
खेले भी ना क्या कोई?
सोचो तो दिल से थोड़ा

छक्का चला गया तो
मेरी भी क्या खता है
रन चार चाहिए थे
और क्या मैं हार जाती?

मैं हूँ सचिन की चेली
मैं फैन हूँ द्रविड़ की
कैसे बने वो प्लेयर
तुमको नहीं पता क्या?

मारोगे? मार लो तुम
शीशा तो ना जुड़ेगा
और इसका क्या भरोसा
कि फिर नहीं तुड़ेगा?

2010 अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता वर्ष

शिकार 1 - चूहे (Rodents)

आमतौर पर हम जिन्हें चूहे कहते हैं वे रोडेन्ट (कुतरने वाले जीव या कुतरू) समूह में आते हैं। इनकी खासियत यह है कि इनके आगे के ऊपर और नीचे के दाँत लगातार बढ़ते रहते हैं। इनकी घिसाई होती रहे इसलिए कुतरुओं को लगातार कुतरते रहना पड़ता है। इसमें गिलहरी, खरगोश, चूहे आदि आते हैं। इन जीवों की कुल मिलाकर कोई 2277 प्रजातियाँ हैं। चूहे आमतौर पर रात में सक्रिय होते हैं। इतनी अधिक संख्या में होने के कारण इनका इस कदर शिकार होता है। इनका संकोची स्वभाव और तेज़ कान उन्हें अपनी रक्षा करने में मदद करते हैं। ज़रा-सी आहट हुई और वे सतर्क हो जाते हैं। और झट-से अपनी बिल में घुस जाते हैं। उनकी नाक भी कमाल की होती है। चार परतों में लपेटी चीज़ को भी वे सूँघ लेते हैं। और परतों को कुतरकर अपने भोजन तक पहुँच जाते हैं। सूँघने की यही ताकत उन्हें अपना साथी चुनने यानी जोड़ा बनाने और अपने इलाके की हद बनाने आदि में मदद करती है।